शाश्वत राष्ट्रबोध

प्रकाशन तिथि ०१-०५-२०२२

वर्ष ३३ अंक ०२ मई २०२२ विक्रम संवत् २०७९ पृष्ठ २० मूल्य रु. १०.००

आदि पत्रकार देवर्षि नारद जयंती

ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया

पद्मश्री दामोदर गणेश बापट जी की स्मृति में निर्मित अन्नपूर्णा भवन का लोकार्पण, कात्रेनगर 29.04.2022

राष्ट्र सेविका समिति, छत्तीसगढ़ प्रान्त - प्रारंभिक शिक्षा वर्ग

स्थान - चांपा

स्थान - राजनांदगांव

स्वावलंबी भारत अभियान की कार्यशाला - रायपुर 17.04.2022

रा. स्व. संघ, हनुमंत पौढ़ व्यवसायी शाखा, गांधीनगर, अम्बिकापुर का वार्षिकोत्सव - 12.03.2022

सुभाषित

काव्यशास्त्रविनोदेन कालो गच्छति धीमताम्।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा॥

अर्थात्- बुद्धिमान लोगों का समय काव्य और शास्त्र का विनोद करने में व्यतीत होता है जबकि, मूर्खों का समय व्यसन, नींद व कलह में व्यतीत होता है।

संपादकीय

कानून व्यवस्था सुशासन का आधार है

अभी अभी चैत्र नवरात्रि का पर्व, श्रीराम नवमी व श्रीहनुमान प्रकटोत्सव का पर्व सम्पूर्ण देशभर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इन पर्वों पर गुजरात, मध्यप्रदेश, झारखंड, कर्नाटक व राजस्थान आदि प्रदेशों में हिन्दू धार्मिक शोभायात्राओं पर हमलों की घटनाएं घटी। वहीं संवेदनशील माने जाने वाले उत्तरप्रदेश में श्रीराम नवमी व श्रीहनुमान प्रकटोत्सव पर सैकड़ों की संख्या में शोभायात्राएं शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। इतने बड़े राज्य में हिंसा की एक भी घटना नहीं हुई। इसमें मजबूत कानून व व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उत्तरप्रदेश में पुलिस सुधार की दिशा में उठाये गए ठोस निर्णयों का परिणाम है, जिस पर अन्य प्रदेश इस मामलें में थोड़े सुस्त नजर आ रहे हैं। सम्पूर्ण प्रशासनिक मामलों में भ्रष्टाचार के जीरों-टारलेन्स की नीति अपनाई गई तथा एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया कि स्वच्छ पारदर्शी और प्रभावी शासन चलाकर कानून व्यवस्था को ठीक किया जा सकता है, जो संभव है। कानून व्यवस्था का सीधा संबंध पुलिस से है। पुलिस की कार्यकुशलता, क्षमता, निष्पक्षता, उसका व्यवहार और मनोबल मिलकर उसे जनप्रिय व प्रभावशाली बनाते है। माफिया, दुर्दांत अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही से समाज में व्यापक सकारात्मक संदेश जाता है। सुरक्षा का बोध बढ़ता है जो प्रगति के लिए आवश्यक है।

ए महिना के तिहार

ए महिना के पहिली तिहार अक्ति तीन तारीक के परिही, इहि दिन भगवान परशुराम के प्रकटोत्सव घलौ हवय। भगवान बुद्ध के पुन्नी सोला तारीक के परिही। तीस तारीक के वट सावित्री व्रत परत हवय। महिना के पहिली एकादसी (मोहिनी) बारा तारीक अऊ दूसर एकादसी (अचला) छब्बीस तारीक के परिही।

अक्षय तृतीया व परशुराम प्रकटोत्सव	वैशाख शु.3	03 मई
मोहिनी एकादशी	वैशाख शु.11	12 मई
बुद्ध पूर्णिमा	वैशाख शु.15	16 मई
अचला एकादशी	ज्येष्ठ कृ.11	26 मई
वट सावित्री व्रत	ज्येष्ठ कृ.15	30 मई

आघू पाछू के पन्ना म जेन पुरखा मन के फोटो छाप के सुरता करे हन, ओ मन के संगे संग बीस तारीक के सुमित्रानंदन पंत अऊ पच्चीस तारीक के रासबिहारी बोस के जन्मदिवस हवय। तीन तारीक के डॉ. जाकिर हुसैन के पुण्यतिथि घलौ परिही।

आजकाल के दिवस मनाए के रद्दा म एक तारीक के श्रमिक दिवस, तीन तारीक के प्रेस स्वतंत्रता दिवस, आठ तारीक के मातृदिवस दिवस, ग्यारह तारीक के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस, सत्रह तारीक के दूरसंचार दिवस, बाइस तारीक के अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस अऊ इक्कतीस तारीक के धुम्रपान निषेध दिवस मनाए जाही।

अऊ कोनो तिहार छूटे होही तेला बताहा, त आघू सकेलबो।

जय जोहार - जय माँ भारती

भगवान बुद्ध जयंती

वैशाख पूर्णिमा

(16 मई 2022)

प्रौढ़ शिक्षार्थी आंकलन महापरीक्षा में दिव्यांग ने दी परीक्षा दोनों हाथ नहीं, पैर से लिखा 'मैं शिक्षित'

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के प्रदेश भर में जिलेवार प्रौढ़ शिक्षार्थी आंकलन महापरीक्षा बुधवार 30 मार्च 2022 को ली गई। महासमुंद जिले में बागबाहरा के दैहानीभाठा परीक्षा केन्द्र में एक दिव्यांग ने परीक्षा दी। वह थी, 30 वर्ष की शांति ठाकुर जो जन्म से दिव्यांगता से जूझ रही है। दोनों हाथ नहीं है, फिर भी पढ़ाई के प्रति इतनी जागरूक कि, उसने अपने पैर से लिख दिया 'मैं शिक्षित'। परीक्षा केन्द्र में जमीन पर बैठकर अपने पैरों से तीन घंटे परीक्षा का पर्चा लिखा और इस परीक्षा में शांति ठाकुर को सफलता प्राप्त हुई।

यह समाचार क्षेत्र में सबदूर पहुंचा। इस घटना की जानकारी जिले के कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर महोदय के संज्ञान में आयी तो वे स्वयं शांति ठाकुर से मिलने उनके घर दैहानीभाठा (बागबाहरा) पहुंचे और परीक्षा में सफल होने की उन्हें बधाई दी और उनके आगे बढ़ने की जिजीविषा की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कार भी भेंट किए। उन्हें शासकीय विभिन्न योजनाओं का लाभ देने की पहल की। शांति ने कहा कि, उन्हें बचपन से ही लिखने पढ़ने की रुचि रही। हाथ नहीं है तो क्या हुआ? पैर से ही लिखने का अभ्यास शुरू किया और इस परीक्षा में भाग लिया। शांति बागबाहरा के दैहानीभाठा की रहने वाली गृहणी है। वे खाना बनाने से लेकर मोबाइल चलाने तक और घर के काम भी पैरों से ही करती है।

प्रेरक प्रसंग

रूप और गुण

सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य ने एक दिन अपने प्रतिभाशाली किन्तु कुरूप प्रधानमन्त्री चाणक्य से कहा- 'कितना अच्छा होता अगर आप गुणवान होने के साथ-साथ रूपवान भी होते।' पास ही खड़ी महारानी ने चाणक्य को अवसर दिए बिना तुरन्त ही जवाब दिया 'महाराज! रूप तो मृगतृष्णा है। आदमी की पहचान तो गुण और बुद्धि से होती है, रूप से नहीं।

'आप रूपवती होकर भी ऐसी बात कर रही हैं?' सम्राट् ने प्रश्न किया- 'क्या ऐसा कोई उदाहरण है जहाँ गुण के सामने रूप फीका दिखे?' 'ऐसे तो अनेक उदाहरण हैं, महाराज!' चाणक्य ने जवाब दिया, 'पहले आप पानी पीकर मन को हल्का करें, फिर बातें करेंगे।' उन्होंने पानी के दो गिलास बारी-बारी से राजा की ओर बढ़ा दिए।

'महाराज! पहले गिलास का पानी इस सोने के घड़े का था और दूसरे गिलास का पानी काली मिट्टी की उस मटकी का था। अब आप बतावें, किस गिलास का पानी आपको मीठा और स्वादिष्ट लगा?' सम्राट ने जवाब दिया- 'मटकी से भरे गिलास का पानी शीतल और स्वादिष्ट लगा एवं उससे तृप्ति भी मिली।'

महारानी ने मुस्कुराकर कहा- 'महाराज! हमारे प्रधानमंत्री ने बुद्धिचातुर्यता से आपके प्रश्न का जवाब दे दिया, भला यह सोने का खूबसूरत घड़ा किस काम का, जिसका पानी बेस्वाद लगता है। दूसरी ओर काली मिट्टी से बनी यह मटकी, जो कुरूप तो लगती है लेकिन उसमें गुण छिपे हैं। उसका शीतल-सुस्वादु पानी पीकर मन तृप्त हो जाता है अब आप ही बतला दें कि रूप बड़ा है अथवा गुण- बुद्धि?'

न्यायपालिकाओं में भारतीय भाषाओं में कार्य अतिशीघ्रता से प्रारम्भ हो - अतुल कोठारी

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास भारतीय भाषा अभियान के माध्यम से जनता को जनता की भाषा में न्याय मिले इस ध्येय वाक्य को लेकर कई वर्षों से कार्य कर रहा है।

30 अप्रैल को मुख्यमंत्रियों व उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि किसी भी देश में सुराज का आधार न्याय होता है। इसलिए न्याय जनता से जुड़ा हुआ होना चाहिए, जनता की भाषा में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालयों में स्थानीय भाषा को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है, इससे देश के सामान्य नागरिकों का न्याय प्रणाली में भरोसा बढ़ेगा। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने प्रधानमंत्री के विचारों का स्वागत करते हुए कहा कि न्यास भारतीय भाषा अभियान के माध्यम से विगत कुछ वर्षों से जनता को जनता की भाषा में न्याय मिले इस ध्येय वाक्य को लेकर देशभर में कार्य कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इसी प्रकार भारत के राष्ट्रपति मा. रामनाथ कोविंद जी व उप राष्ट्रपति मा. वैंकया नायडू जी द्वारा न्यायालयों में भारतीय भाषाओं के प्रयोग की बात का अनेकों बार समर्थन किया गया है। कुछ समय पूर्व एवं 30 अप्रैल के सम्मेलन में मा. प्रधान न्यायाधीश एनवी रमणा ने भी कहा था कि न्याय प्रणाली का भारतीयकरण समय की आवश्यकता है। न्यायालयों में स्थानीय भाषाओं में कार्यवाही की बात पर विचार करने का समय आ गया है और इसे तार्किक निष्कर्ष पर पहुँचाया जाना चाहिए।

श्री कोठारी ने कहा कि जब देश के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व प्रधान न्यायाधीश न्यायालयों में भारतीय भाषाओं में कार्य करने की

बात का समर्थन कर चुके हैं, तो इस विषय को गम्भीरता से लेते हुए देश के सर्वोच्च न्यायालय व सभी उच्च न्यायालयों में भारतीय भाषाओं में कार्यवाही अतिशीघ्रता से प्रारम्भ होना चाहिए। जिससे जनता को जनता की भाषा में न्याय मिल सके तथा न्याय व्यवस्था को सरल व सुलभ बनाया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि इस व्यवस्था के विरोध में उठ रहे प्रश्नों का शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास भारतीय भाषा अभियान के माध्यम से समय समय पर समाधान प्रस्तुत कर चुका है। जनता को जनता की भाषा में न्याय मिले इस हेतु अब देशभर में सकारात्मक वातावरण निर्माण हो रहा है। अब समय आ गया है कि इसके विरोध में बनाई जा रही बनावटी रुकावटों को तत्काल हटा कर इस दिशा में शीघ्रता से कार्य प्रारम्भ करने का।

निज यानी अपनी भाषा से ही उन्नति संभव है, क्योंकि यही सारी उन्नतियों का मूलाधार है। मातृभाषा के ज्ञान के बिना हृदय की पीड़ा का निवारण संभव नहीं है। विभिन्न प्रकार की कलाएँ, असीमित शिक्षा तथा अनेक प्रकार का ज्ञान, सभी देशों से जरूर लेने चाहिये, परन्तु उनका प्रचार मातृभाषा में ही करना चाहिये। –भारतेंदु हरिश्चंद्र

बापट जी मौन साधक थे - दत्तात्रेय होसबाले जी

पद्मश्री डॉ. दामोदर गणेश बापट जी के जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जी ने किया

रायपुर। सोमवार, 25.04.2022 को रोहिणीपुरम् रायपुर स्थित सरस्वती शिक्षा संस्थान के सभागार में आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह में पद्मश्री डॉ. दामोदर गणेश बापट जी के जीवन पर आधारित पुस्तक 'सेवाव्रती कर्मयोगी – पद्मश्री डॉ. दामोदर गणेश बापट' का विमोचन रा. स्व. संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जी ने किया।

दामोदर गणेश बापट जी कुष्ठ रोगियों के सेवा के लिए संचालित चाम्पा के निकट कात्रे नगर, सोंठी आश्रम स्थित भारतीय कुष्ठ निवारक संघ के कार्य में अपना जीवन समर्पित करनेवाले सेवाव्रती थे। उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए उन्हें 2018 में पद्मश्री सम्मान से पुरस्कृत किया गया।

दामोदर गणेश बापट जी के जीवन पर आधारित पुस्तक के लेखक संघ के प्रचारक सुनील किरवई जी है। इस पुस्तक की प्रस्तावना संघ के प. पू. सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने लिखी है। पुस्तक विमोचन के अवसर पर भारतीय कुष्ठ निवारक संघ के सचिव सुधीर देव जी ने भूमिका रखते हुए कहा कि, दामोदर गणेश बापट जी ने 'नेकी कर दरिया में डाल' इस कहावत को चरितार्थ किया। वे अपने बारे में कहीं कुछ कहते नहीं थे। किन्तु कात्रेनगर कुष्ठाश्रम प्रकल्प को ठीक दिशा में विकसित किया। देवपहरी का सेवा धाम हो या पामगढ़ का अंधत्व निवारण केंद्र हो, सब में किसी न किसी रूप में बापट जी दिखाई देते हैं।

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जी ने कहा कि, **'बापट जी मौन साधक थे। उनके प्रत्यक्ष जीवन से अनेक लोगों को प्रेरणा प्राप्त हुई है। यह पुस्तक बापट जी के द्वारा किये गए कार्य को पढ़ने के लिए सहायक होगी।'**

बापट जी ने जो किया वह कहीं लिखित रूप में उपलब्ध नहीं है। क्योंकि वे प्रसिद्धिपरांगमुख थे। ऐसे व्यक्ति के बारें में सामग्री एकत्रित करना सरल नहीं होता, बहुत परिश्रम करके संकलन करना होता है। सुनील किरवई जी ने यह कार्य किया है।

छत्तीसगढ़ के दिव्यांग जनों ने मुंबई में नृत्य की प्रस्तुति दी

रायपुर। मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश के छह दिव्यांगों ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति देकर अपनी विशिष्ट प्रतिभा का परिचय कराया। इन्होंने आत्मनिर्भर भारत की थीम पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का आयोजन बुधवार, 27 अप्रैल 2022 को नेहरू प्लेनेटोरियम में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने किया। दिव्यांगों में छिपी प्रतिभा से जन-जन को परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में आकांक्षा लायंस इंस्टिट्यूट ऑफ लर्निंग एंड एम्पावरमेंट रायपुर के छह दिव्यांगों चांदनी ठाकुर, रीता रामानी, वी मोनिका राव, जतिन आहूजा, शिवा तांडी, सौरभ अग्रवाल ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री संग्रहालय के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा -

भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने निरंतर हुआ प्रयास

नई दिल्ली। देश के अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों के कार्यों, उनकी नीतियों सहित उनके जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को समेटे हुए एक भव्य और हाईटेक संग्रहालय को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल 2022 को डॉ. अम्बेडकर जयंती पर राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश आज जिस ऊंचाई पर है, उसे वहां तक पहुंचाने में स्वतंत्र भारत के बाद बनी प्रत्येक सरकार का योगदान है। उन्होंने कहा कि यह बात वह लाल किले से कई बार दोहरा चुके हैं। ऐसे में यह संग्रहालय सभी सरकारों की साझा विरासत का जीवंत प्रतिबिंब है। देश की जनता और युवा पीढ़ी इसके जरिये सभी प्रधानमंत्रियों के बारे में जानेगी। उन्हें इससे प्रेरणा भी मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर लोकतंत्र को और मजबूत बनाने का भी आह्वान किया और कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि समय के साथ इसमें बदलाव आता रहा है। हर युग में, हर पीढ़ी में, लोकतंत्र को और आधुनिक बनाने, सशक्त करने का निरंतर प्रयास हुआ है। एक-दो अपवादों को छोड़ दें तो हमारे यहां लोकतंत्र को लोकतांत्रिक तरीके से ही मजबूत करने की गौरवशाली परंपरा रही है। प्रधानमंत्री संग्रहालय के माध्यम से भी लोकतंत्र की इसी मजबूती के दर्शन होंगे। यह संग्रहालय सिर्फ प्रधानमंत्रियों की उपलब्धियों और उनके योगदान तक ही सीमित नहीं है। यह हर विषम परिस्थितियों के बावजूद मजबूत होते देश के लोकतंत्र, हमारी संस्कृति में हजारों साल से फल-फूल रहे लोकतांत्रिक संस्कारों की मजबूती और संविधान के प्रति सशक्त होती आस्था का भी प्रतीक है। कार्यक्रम को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी संबोधित किया। इस दौरान नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने प्रधानमंत्री संग्रहालय से जुड़ी जानकारियों को साझा किया।

306 करोड़ की लागत से तैयार हुआ संग्रहालय

प्रधानमंत्री संग्रहालय में देश के अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों से जुड़ी स्मृतियों को संकलित किया गया है। इसमें उनके अहम फैसलों, उनके राजनीतिक जीवन, उनकी पृष्ठभूमि, उनके भाषणों आदि को जुटाया गया है। इसके साथ ही इसे हाईटेक स्वरूप दिया गया है। इसे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से काफी रोचक बनाया गया है। संग्रहालय के शुभारंभ के मौके पर पहुंचे लोगों में सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री मोदी और अटल जी के साथ फोटो खिंचवाने को लेकर उत्सुकता देखी गई। संग्रहालय निर्माण पर 306 करोड़ रुपये की लागत आई है।

सभी प्रधानमंत्री के कार्यकाल में लिए गए प्रमुख निर्णय दिखेंगे

देश स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मना रहा है। स्वाधीनता के बाद के 75 साल के इसी यात्रा की कहानी सुनाता है, प्रधानमंत्री संग्रहालय... जहाँ न केवल प्रधानमंत्रियों के बारे में जानकारी मिलेगी, बल्कि उनके निर्णयों को भी लोग जान सकेंगे। दर्शक अपने पसंदीदा प्रधानमंत्रियों के साथ फोटो खिंचवाना के साथ ही वीडियो भी बनवा सकते है।

अपनी पहचान और अस्तित्व के साथ रहने में कुछ भी गलत नहीं - किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि भारत की युवा पीढ़ी तक सही जानकारी पहुंचे, इसलिए इतिहास में सुधार महत्वपूर्ण है। जब हम सही बातें कहना चाहते हैं और भारतीय इतिहास में सच्चाई का उल्लेख करने की कोशिश करते हैं तो कुछ लोग आहत होते हैं। वे कहते हैं कि आप इतिहास को फिर से लिख रहे हैं। जबकि सवाल इतिहास को फिर से लिखने का नहीं, बल्कि इतिहास को सुधारने का है। सवाल उन लोगों की जगह और स्थिति के बारे में है जो योग्य हैं। यह बहस कि इतिहास को फिर से लिखा जा रहा है, व्यर्थ है। सवाल यह है कि हमें सच्चा और वास्तविक इतिहास सीखना चाहिए। हम जानते हैं कि हम क्या पढ़ते हैं और हम जो देखते हैं उसे समझते हैं। केंद्रीय मंत्री दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तर-पूर्वी छात्रों और यूथ यूनाइटेड फॉर विजन एंड एक्शन (YUVA) के छात्र समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अनसंग फ्रीडम फाइटर्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया' को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा - हमारे इतिहास के छात्र किसी और का इतिहास सीख रहे हैं। यह कैसे संभव है कि हमारे छात्र उत्तर-पूर्वी राज्यों के बारे में नहीं जानते हैं, लेकिन वे यूरोप और लंदन के बारे में सब कुछ जानते हैं। वे उस पर गर्व महसूस करते हैं। जब वे शेक्सपियर और लिंकन के बारे में पढ़ते हैं तो उन्हें गर्व महसूस होता है। लेकिन कालिदास के बारे में नहीं! यहीं पर उन्होंने युवा पीढ़ी की मानसिकता को बरगलाया है। उन्होंने सीखने और अनुकूलन की आवश्यकता पर जोर दिया, जो स्वदेशी है। उन्होंने युवाओं से स्वदेशी उत्पादों और भारतीय भाषाओं का उपयोग करके भारतीय स्थानों पर जाने में गर्व महसूस करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मैंने यह कई सालों से देखा है कि जब हम अपनी स्वदेशी चीजों की बात करते हैं तो हम पिछड़े बन जाते हैं। कुछ अधिवक्ताओं को बहुत अधिक भुगतान किया

जाता है, लेकिन कुछ ऐसे अधिवक्ता हैं जो योग्य होते हैं, उनके पास अच्छा ज्ञान होता है लेकिन उन्हें बड़े मामले नहीं मिलते, क्योंकि वे अंग्रेजी नहीं बोलते हैं। अन्य भारतीय भाषाओं में अच्छा बोलने वालों का भी सम्मान क्यों नहीं किया जाता? उन्होंने कहा कि अपनी पहचान और अस्तित्व के साथ रहने में कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन हमारे यहां उसका सम्मान कम है। यह धारणा हमारे द्वारा पढ़ी गई पुस्तकों के कारण आई है। इसलिए उनमें बदलाव लाने की आवश्यकता है। जो हमें गलत दिया गया है, अगर हम उसे पढ़ते रहेंगे तो यह हमारे साथ न्याय नहीं होगा। उत्तर-पूर्वी राज्यों के गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यक्रम स्वाधीनता का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया है। इसके अलावा नागालैंड का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला राज्यसभा सांसद मैडम एस. फांगनोन कोन्याक, डीयू दिन आफ स्टूडेंट्स प्रोफेसर बलराम पाणि और डॉ. फिरमी बोडो, सहायक प्रोफेसर जेएनयू ने भी संबोधित किया।

रानी गाइडिन्ल्यू, कनकलता बरुआ, शंबोदन फोंगलो, रोपुइलियानी, मतमूर जामोह, महाराजा कुलचंद्र, बलिदानी जादोनांग और यू तिरोत सिंह आदि जैसे गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों की जीवन कहानियों को वक्ताओं ने विशेष याद किया। पूर्वोत्तर भारत में आईएनए का नेतृत्व करने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा निभाई भूमिका हमेशा सराहनीय रहेगी।

सृष्टि के प्रथम पत्रकार देवर्षि नारद की जयंती पर

सृष्टि के पहले संवाददाता देवर्षि नारद

पुराणों के अनुसार नारद मुनि भारतीय ऋषियों में एकमात्र व्यक्ति थे, जिन्हें देव ऋषि की उपाधि मिली थी। वे एक मात्र ऐसे ऋषि थे, जिनका उल्लेख लगभग सभी हिंदू ग्रंथों में मिलता है। सतयुग, त्रेता और द्वापर युग में भी नारदजी देवी-देवताओं में संवाद का माध्यम बने हमेशा सतर्क रहने वाले नारदमुनि ब्रह्माजी के मानस पुत्रों सनक, सनंदन, सनत और सनातन से छोटे थे। ब्रह्माजी से मिले वरदान के अनुसार आकाश, पाताल तथा पृथ्वी तीनों लोकों का भ्रमण कर नारदजी देवताओं, संत महात्माओं इंद्रादि शासकों और जनमानस से सीधा संवाद करके उनसे सुख-दुख की जानकारी लेकर समस्याओं के निराकरण में भागीदारी निभाते थे। इसी कारण वे देव और दानव दोनों में लोकप्रिय थे। इसी के साथ उनमें लोक कल्याण के उद्देश्य से एक- दूसरे में संघर्ष व युद्ध तक कराने की महारत थी। कई बार उन्हें इस आदत के कारण अपमान भी सहना पड़ा। फिर भी अपने उद्देश्य व समाज हित के लिए समर्पित नारदजी का जीवन मान-अपमान की परवाह किए बिना बीता। उन्हें सृष्टि के प्रथम संवाहक या संवाददाता भी कहा जाता है। देव ऋषि नारद जी की जयंती ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया को मनाई जाती है।

लोक कल्याण के लिए चिंतित - देश के प्रथम समाचार-पत्र उदंत मार्तण्ड के प्रथम पृष्ठ पर नारदजी का उल्लेख किया जाता था। हिंदू परिवारों में होने वाली भगवान सत्यनारायण की कथा के पहले श्लोक से ही पता चलता है कि नारदजी लोक कल्याण के लिए कितने चिंतित रहते थे। वे सतयुग से लेकर द्वापर युग तक प्रत्येक पुराण-संहिता में मुखर रहे हैं। वे उस दौर में भी प्रखर संवाददाता के रूप में जाने जाते थे। आधुनिक दौर में भी लोकतंत्र के प्रमुख स्तंभ के रूप में पत्रकारिता अपने-अपने स्तर पर उत्तरदायित्व का निर्वहन कर लोक जागरण अभियान में लगी है।

नारदमुनि संगीत के महान आचार्य थे। वीणा उनका प्रिय वाद्य यंत्र था। हाथ में करताल लिए नारायण-नारायण का सतत् जाप उनकी विशेष प्रकार की पहचान बन गई थीं। सनत कुमार के कुलाधिपतित्व में प्रथम विश्वविद्यालय में नारद को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया था। तब क्रमश: ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद व अथर्ववेद ही नहीं, वरन् वेदों के अंतर्गत व अतिरिक्त व्याकरण, पितृ विद्या, विज्ञान के विविध पक्ष, खगोल, ज्योतिष, धनु विद्या, जैव विद्या, ब्रह्म विद्या, भूत विद्या, शस्त्र विद्याओं का कौशल लिए सर्प व शकुन शास्त्र में उनकी मर्मज्ञता देखकर सनत कुमार हतप्रभ रह गए कि लगातार घूमने वाला यह व्यक्ति सर्वांगीण विषयों में पारंगत कैसे हो गया।

राहगीरों के लिए प्याऊ का प्रारंभ - ग्रीष्म ऋतु में होने वाले जल संकट से त्रस्त जनमानस में जल संचय प्रबंधन का संदेश देते हुए पेयजल वितरण अर्थात प्याऊ लगाकर यात्रा पथ पर राहगीरों की प्यास बुझाने का उपक्रम नारदजी ने ही शुरू किया था।

मनु के बाद देवर्षि नारद एक ऐसी स्मृति के भी उद्घाटनकर्ता माने जाते हैं, जिन्होंने याज्ञवल्क्य स्मृति के नाम से अपनी रचना में दंड विधान सुनिश्चित किए थे। ऐसा इसलिए ताकि अपराधमय मनोवृत्ति से मनुष्य भयभीत रहे और अच्छे मार्ग का अनुसरण करे। इन विधानों के अंतर्गत हजारों वर्षों से धर्म तथा समाज की व्यवस्था को अनुशासित बनाए रखने के संयोजन में नारदजी का वैसा ही योगदान है, जिस प्रकार राष्ट्र किसी का संविधान विधि अनुकूल व्यवस्था दिया करता है।

युवा प्रतिभागियों ने अक्षय ऊर्जा, प्राकृतिक गैस और पवन ऊर्जा संयंत्रों की ओर ध्यान आकर्षित किया

युवा राष्ट्र एक सतत भविष्य का निर्माण

राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद-2022 'पर्यावरण संरक्षण गतिविधि' संगठन के सहयोग से मानव रचना द्वारा आयोजित संसद भवन में देश भर से भाग लेने वाले छात्रों के लिए एक अभूतपूर्व अनुभव था।

भारत में कार्बन बाजारों के प्रस्ताव से लेकर, हमारे देश के पास उपलब्ध संसाधनों पर प्रकाश डालना, खनन की क्षमता पर निर्माण से लेकर आधुनिकीकरण के परिणामों पर विचार-विमर्श तक, सत्र नवीन विचारों, पर्यावरण की कमी को दूर करना। मजबूत आंकड़ों, सशक्तिकरण बयानों और मदद करने के लिए प्रस्तावित नीतियों से भरपूर थे।

एक सतत राष्ट्र के निर्माण के लिए युवाओं के लिए हरित विद्यालय का विचार भी प्रतिभागियों में से एक के द्वारा सामने लाया गया था। इसमें छत्तीसगढ़ से नंदिनी दीक्षित, शुभम पाठक, वीणा शुक्ला, सांभवी तिवारी कुल 4 युवा छात्रों ने प्रतिनिधित्व किया।

श्री ओम बिरला जी (माननीय लोकसभा अध्यक्ष) ने राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद के अवसर पर समारोह की अध्यक्षता की। श्री भूपेंद्र यादव जी, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, और श्री सावजी ढोलकिया जी, पद्मश्री पुरस्कार विजेता विशिष्ट अतिथि थे। 12 वर्षीय पर्यावरण योद्धा सुश्री आर्या चावड़ा और मास्टर कौटिल्य पंडित, गूगल बॉय भी विशेष अतिथि के रूप में सत्र में सम्मिलित हुए।

पुरस्कार विजेता:

राष्ट्रीय युवा चिन्ह - संकल्प सुमन, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष - मुंजीद मरियम, शेर-ए-कश्मीर, कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर

सर्वश्रेष्ठ पत्रकार- एसके जीशान अख्तर, श्री श्री विश्वविद्यालय, ओडिशा

बेस्ट स्टेट्समैन- नेहा, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी

सर्वश्रेष्ठ कार्टूनिस्ट - भावेश कुमार छोकर, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज

स्पेशल मेंशन जूरी अवार्ड- वीरेंद्र सिंह चौहान, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री)

स्पेशल मेंशन जूरी अवार्ड- अमी शर्मा (सर्वश्रेष्ठ स्पीकर), महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एक्वाकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, उदयपुर

स्पेशल मेंशन जूरी अवार्ड- सिमरन चौहान (सर्वश्रेष्ठ विपक्षी नेता), हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

स्पेशल मेंशन जूरी अवार्ड- परीक्षित पारीक (सर्वश्रेष्ठ नेता - ट्रेजरी), चितकारा विश्वविद्यालय

स्पेशल मेंशन जूरी अवार्ड- विवेक संजय सोनवणे (सर्वश्रेष्ठ शोध और सामग्री), सावित्री बाई फुले, पुणे विश्वविद्यालय।

स्वावलम्बी भारत अभियान की कार्यशाला हुई सम्पन्न

स्वरोजगार की दिशा में 11 संगठनों ने मिलकर बनाई कार्ययोजना

रायपुर। स्वावलम्बी भारत अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ प्रान्त में स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में स्वदेशी भवन रायपुर में रविवार 17 अप्रैल 2022 को कार्यशाला सम्पन्न हुई।

स्वरोजगार की दिशा में व्यापक अवसरों को जन जन तक पहुंचाने के लिए स्वदेशी जागरण मंच की पहल पर स्वदेशी जागरण मंच, लघु उद्योग भारती, ग्राहक पंचायत, राष्ट्रीय सेवा भारती, भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, सहकार भारती, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विश्व हिन्दू परिषद, भारतीय जनता पार्टी, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम कुल 11 संगठनों ने संयुक्त रूप से मिलकर कार्ययोजना बनाई। इन सभी संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति में स्वावलम्बी भारत अभियान को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

कार्यशाला में प्रमुख रूप से उपस्थित स्वावलम्बी भारत अभियान के राष्ट्रीय सह समन्वयक श्री जितेन्द्र गुप्ता ने अभियान के व्यापक दृष्टिकोण पर मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में नव उद्यमियों का सम्मान किया गया। श्रीमती सोना नायक जो ग्रामीण महिलाओं के साथ मिलकर स्टेशनरी फाइल, एलोवेरा साबुन का निर्माण करती है तथा बालोद जिले में महिलाओं का समूह बनाकर सेनेटरी पैड आदि बनाने का कार्य करने वाले चंद्रहास साहू का भी सम्मान किया गया।

स्वावलम्बी भारत अभियान के प्रांत संयोजक जगदीश पटेल ने बताया कि, हमें और भी सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाओं को इस अभियान में सम्मिलित करना है। प्रान्त में सभी जिलों में जिला इकाइयों का गठन भी शीघ्र करना है। स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह महिला प्रमुख श्रीमती शिला शर्मा, अभियान की प्रान्त सह समन्वयक श्रीमती सुमन मुथा ने इस अभियान की जानकारी साझा की। कार्यशाला में विशेष रूप से

उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक प्रेमशंकर जी, व प्रान्त कार्यवाह चन्द्रशेखर देवांगन जी ने सभी संगठनों को मिलकर इस अभियान को गति देने का आग्रह किया। कार्यशाला के अंतिम सत्र में आभार प्रदर्शन स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक मोहन पवार ने किया।

गांव में ही रोजगार दें, मिट जाएगी गरीबी

चित्रकूट। गरीबी और भुखमरी मिटानी है तो गांव में ही रोजगार के साधन विकसित करने होंगे। शुद्ध पेयजल के लिए जलस्त्रोतों को सहेजना होगा। गांवों में काम कर रही संस्थाएं ग्रामीणों से उनकी समस्याएं जानें और सरकार इसके समाधान के प्रयास करे। दीनदयाल शोध संस्थान (डीआरआई) की ओर से सतत विकास के लक्ष्यों को लेकर तय किया गया कि 'कोई पीछे न छूटे' की भावना से काम करेंगे। जनसहभागिता के माध्यम से अंत्योदय का लक्ष्य पूरा किया जा सकेगा। जमीनी स्तर पर प्लेटफार्म तैयार करेंगे। प्रभु श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में 15 से 17 अप्रैल तक चले मंथन में 10 देशों के प्रतिनिधियों ने गांवों और शहरों में जनसहभागिता से गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा और शुद्ध पेजयल जैसी समस्याएं दूर करने का खाका खींचा।

SURYA FOUNDATION

B-3/330, Paschim Vihar, New Delhi - 110063, Tel. : 011-25251588, 25253681
Email : suryainterview@gmail.com Website : www.suryafoundation.org

सूर्या फाउण्डेशन युवाओं के समग्र विकास तथा प्रशिक्षण के लिए अब एक जानी-मानी संस्था बन चुकी है। इसका प्रमुख उद्देश्य है देश के प्रति निष्ठा रखते हुए अनेक तरह के उत्तरदायित्व निभाने के लिए तेजस्वी, लगनशील तथा धुन के पक्के नवयुवकों का निर्माण करना।

इन्टरव्यू में चयन हो जाने के बाद सूर्या साधना स्थली कैंपस में छः माह की ट्रेनिंग दी जाएगी। उसके बाद एक साल के लिए On Job Training (OJT) रहेगी।

संघ के संस्कारों में पले-बढ़े, सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाले, शारीरिक रूप से सक्षम युवकों के सूर्या फाउण्डेशन में प्रवेश हेतु निम्न categories में इंटरव्यू

Post	Experience	6 months Initial Training + 1 year OJT	After Training CTC
CA	IPCC / MTER (2 Yrs Experience)	3 - 4 L Per Annum	As per Performance
	Fresher	5 - 6 L Per Annum	-do-
	Experienced (upto 5 years)	6 - 8 L Per Annum	-do-
	Experienced (above 5 years)	9 - 12 L Per Annum	-do-
Engineers, Fresher & Experienced	B.Tech (IIT)	7.5 - 9 L Per Annum	-do-
	B.Tech (NIT)	4.5 - 6 L Per Annum	-do-
	B.Tech (Other Institutes)	3 - 3.6 L Per Annum	-do-
	M.Tech (IIT)	8.5 - 10 L Per Annum	-do-
	M.Tech (NIT)	5.5 - 7 L Per Annum	-do-
	M.Tech (Other Institutes)	3.6 - 4 L Per Annum	-do-
MBA	MBA (IIT + IIM)	15 L + Per Annum	-do-
	MBA (IIM)	12 - 15 L Per Annum	-do-
	MBA (Other Institutes)	3 - 3.6 L Per Annum	-do-
Post Graduate & Graduate	MCA, B.Ed., M.Ed., MSW, M.Sc., M.Com., M.A. *(Freshers / Experience) Ph.D.* *	2 - 3 L Per Annum	-do-
	Mass Communication (Media)	2.4 - 3 L Per Annum	-do-
	B.Com. with three years experience in accounts, purchase, store	2.4 L Per Annum	-do-
	B.Sc. BCA, BBA, BA, B.Com (Persuing / Passed)	1.2 L Per Annum	-do-
	Diploma	1.8 L Per Annum	-do-
Law	LLB	2.4 - 3 L Per Annum	-do-
	LLM	3 - 3.6 L Per Annum	-do-

- उपरोक्त Categories में अधिक प्रतिभाशाली छात्रों को इससे भी अधिक वेतन दे सकते हैं।
- * **Ph.D. candidates** भी आवेदन कर सकते हैं। **salary interview** के दौरान तय होगी।
- * योग शिक्षक, प्राकृतिक चिकित्सक / उपचारक, **Karate Teacher, Music Teacher & Stenographer (Hindi + English)** भी आवेदन कर सकते हैं। वेतन योग्यता अनुसार दिया जाएगा।

•Graduate Management Trainee (GMT)

योग्यता-2022 में 10वीं, 11वीं या 12वीं की परीक्षा पास करने वाले भैया आवेदन कर सकते हैं। पिछली कक्षा में न्यूनतम अंक 60% तथा गणित में 75% अंक प्राप्त किए हों। आयु : 18 वर्ष से कम। सूर्या ट्रेनिंग सेंटर में 6 माह की प्रारंभिक ट्रेनिंग के बाद On Job Training (OJT) or Practical Campus Training (PCT) में भेजा जायेगा। OJT / PCT के साथ-साथ ग्रेजुएशन और MBA या MCA करने की सुविधा दी जायेगी। प्रारंभिक 6 महीनों की ट्रेनिंग के दौरान भोजन और आवास की सुविधा मुफ्त रहेगी, साथ ही 5,000/- प्रतिमाह स्कॉलरशिप मिलेगा। On Job Training के दौरान आवास तथा पढ़ाई के साथ-साथ 11वीं में 8000/-, 12वीं में 10,000/- Graduation Ist year में 12,000/-, IInd Year में 15,000/-, IIIrd Year में 18,000/-, MBA/MCA Ist Year में 22,000/-, MBA/MCA IInd Year में 27,000/- Stipend प्रतिमाह मिलेगा। MBA/MCA पूरा होने के बाद 40000/- और Work Performance के आधार पर प्रतिमाह वेतन / मानधन इससे अधिक भी हो सकता है।

• Assistant Staff Cadre (ASC)

योग्यता-2022 में 10वीं, 11वीं या 12वीं की परीक्षा देने वाले भैया आवेदन कर सकते हैं। पिछली कक्षा में न्यूनतम अंक 55% एवं गणित में 60% अंक प्राप्त किए हों। आयु : 18 वर्ष से कम। सूर्या ट्रेनिंग सेंटर में 6 माह की प्रारंभिक ट्रेनिंग के बाद OJT / PCT में भेजा जायेगा। प्रारंभिक 6 महीने की ट्रेनिंग के दौरान 3000/- प्रतिमाह Stipend मिलेगा तथा मुफ्त भोजन और रहने की व्यवस्था होगी। तीन वर्ष की OJT / PCT के दौरान Stipend - Ist year : 8,000/- प्रतिमाह व आवास, IInd year : 10,000/- प्रतिमाह व आवास, IIIrd year : 12,000/- प्रतिमाह व आवास। After training 15,000/- (CTC) प्रतिमाह वेतन मिलेगा।

• Under Graduate Management Trainee (UGMT)

योग्यता-2020 में 12वीं कर चुके भैया आवेदन कर सकते हैं। 12वीं में न्यूनतम अंक 70% प्राप्त किए हों और जो ग्रेजुएशन कर रहे हैं। आयु : 19 वर्ष से कम। सूर्या ट्रेनिंग सेंटर में 6 माह की प्रारंभिक ट्रेनिंग के बाद On Job Training (OJT) or Practical Campus Training (PCT) में भेजा जायेगा। प्रारंभिक 6 महीनों की ट्रेनिंग के दौरान भोजन और आवास की सुविधा मुफ्त रहेगी। OJT / PCT के साथ-साथ Graduation के बाद MBA/PG in Mass Communication करने की सुविधा दी जायेगी। इस दौरान आवास तथा पढ़ाई के अलावा Graduation IInd year में 12,000/-, IIIrd Year में 14,000/- तथा Post Graduation Ist Year में 17,000/- तथा IInd Year में 20,000/- प्रतिमाह Stipend मिलेगा। Post Graduation पूरा करने के बाद 30,000/- (CTC) प्रतिमाह वेतन मिलेगा।

आवेदन हिंदी या अंग्रेजी में ही भरकर भेजें। विस्तृत बॉयोडाटा के साथ-साथ यदि आपने NCC / NSS / OTC / ITC / शीत शिविर / PDC आदि कोई शिविर किया है तो उल्लेख करें। सेवा भारती / विद्या भारती / वनवासी कल्याण आश्रम के किसी विद्यालय / छात्रावास या संघ या परिषद अथवा विविध क्षेत्रों से संबंध रहा है तो कब और कैसे। सूर्या परिवार में कोई परिचित हों तो उनका नाम, विभाग भी जरूर लिखें। पढ़ाई का विवरण लिखते हुए, Mark sheet की फोटोकॉपी साथ जोड़ें।

कृपया विस्तारपूर्वक बायोडाटा के साथ निम्नलिखित पते पर अपना CV / आवेदन भेजें। CV / आवेदन Email से भी भेज सकते हैं।

B-3/330, Paschim Vihar, New Delhi - 110063 I Email : suryainterview@gmail.com

आवेदन विज्ञापन छपने के एक माह के भीतर करें

श्रीराम मंदिर की रिटेनिंग वाल वर्षा से पूर्व बन जाएगी, आकार ले रही 'आस्था'

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के बीच सरयू के भूगर्भीय प्रवाह से बचाव के प्रति पूरी गम्भीरता बरती जा रही है। इसके लिए चार सौ गुणे तीन सौ वर्ग फीट के परिक्षेत्र में निर्माणाधीन मंदिर के दक्षिण, पश्चिम एवं उत्तर दिशा में 12 मीटर गहरी रिटेनिंग वाल बनाई जा रही है। श्रीराम मंदिर निर्माण समिति की योजना आगामी वर्षा से पूर्व रिटेनिंग वाल निर्माण की प्रक्रिया को पूरा करने की है। रिटेनिंग वाल का निर्माण कुछ सीमा तक हो गया है। मोटी-मजबूत सरिया का सघन जाल गहराई तक बिछा दिया गया है और उसमें सीमेंट-कांक्रीट का अति सुदृढ़ मिश्रण भरा भी जा रहा है। कुछ हिस्से अभी रिक्त हैं। सोमवार 18 अप्रैल को श्रीरामजन्मभूमि परिसर में ही स्थित मंदिर निर्माण की कार्यदायी संस्था एलएंडटी के कार्यालय में शुरू हुई मंदिर निर्माण समिति की बैठक में रिटेनिंग वाल की फिलिंग के प्रति पूरी तत्परता बरतने का निर्णय किया गया।

बैठक में उम्मीद जताई गई कि प्लिंथ निर्माण अगस्त माह तक पूर्ण कर लिया जाएगा। बैठक में राजस्थान के पिडवारा सहित अयोध्या की कार्यशाला में शिलाओं की आपूर्ति के अभियान में तीव्रता लाने की कार्ययोजना बनाई गई।

किसानों को समझ में आया कृषि सुधार कानूनों का महत्व

चंडीगढ़। कृषि कानूनों में सुधारों पर राजनीति और एक साल चले किसान आंदोलन के चलते भले ही केंद्र सरकार को तीनों कृषि कानून निरस्त करने पड़े, लेकिन हरियाणा के किसानों को इन कानूनों की अहमियत अब अच्छे से समझ आ रही है। दक्षिण हरियाणा के किसान गेहूं, सरसों व अन्य फसलों को अनाज मंडियों में लाने के बजाय खुले बाजार में बेचकर अच्छे दाम वसूल रहे हैं। स्थिति यह है कि सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, हिसार, रोहतक, चरखी दादरी, झज्जर, रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ सहित अन्य जिलों में सरकारी एजेंसियां अभी तक मंडियों में खरीद में तेजी आने की प्रतीक्षा कर रही हैं, जबकि व्यापारी-आढ़ती खेतों से ही फसलों को उठा ले रहे हैं। इसे अच्छे संकेत मान प्रदेश सरकार भी किसानों को खुद के समूह बनाकर उन्हें निर्यातक बनने के लिए प्रेरित कर रही है।

मंडियों में गेहूं की खरीद 2015 रुपये प्रति क्विंटल की दर से हो रही है, जबकि व्यापारी ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को प्रति क्विंटल पर 200 से 300 रुपये अधिक गेहूं के दाम दे रहे हैं। गेहूं की फसल का भूसा (तूड़ा) भी रिकार्ड 20 हजार रुपये एकड़ बिक रहा। सरसों की एमएसपी 5050 रुपये है तो खुले बाजार में किसानों को 6200 से लेकर 7000 रुपये तक भुगतान हो रहा है। सफेद सोना कही जानी वाली कपास 5,726 रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य की तुलना में 10 से 12 हजार रुपये क्विंटल तक बिक रही है। इससे किसानों को खूब लाभ हो रहा है।

(साभार सुधीर तंवर)

विश्व हिन्दू परिषद की पहल पर 'श्रीराम रोटी केंद्र' का हुआ शुभारम्भ

रायपुर। बुधवार 27 अप्रैल 2022 को विश्व हिन्दू परिषद की पहल पर स्वर्गीय श्रीमती निकिता मोदी के स्मृति में लाठीवाला परिवार एवं मनोज भाई धोलकिया परिवार, रायपुर के सौजन्य से श्रीराम रोटी केंद्र का शुभारम्भ गौ माता दुर्गा मंदिर, भनपुरी में किया गया। केंद्र का संचालन श्री अशोक सिंघल सेवा फाउंडेशन द्वारा किया जायेगा।

श्रीराम रोटी केंद्र के शुभारम्भ अवसर पर अतिथियों ने गोमाता को रोटी खिला कर गौ सेवा का संकल्प लिया और सभी व्यक्तियों से अपील की गई कि श्रीराम रोटी केंद्र के माध्यम से वे 3/- रुपए में एक रोटी (75 रुपये में 25 रोटियां) प्राप्त कर समाज में भूखे लोगों को अथवा गौ माता को खिलाकर सेवा कर सकते हैं। ऑटोमेटिक मशीन द्वारा बनायी जा रही रोटियां इतनी शुद्ध एवं अच्छी गुणवत्ता की है कि मनुष्य व गोवंश सभी के सेवन योग्य हैं। केंद्र के स्थापना का मुख्य उद्देश्य है कि गौ माता एवं गोवंश का संवर्धन एवं संरक्षण किया जा सके।

सनातन हिंदू धर्म में गाय को देवी मां का स्वरूप माना जाता है। मान्यता है कि गाय में 33 करोड़ देवी देवता वास करते हैं। शास्त्रों के अनुसार गौ माता में सुरभि नामक लक्ष्मी वास करती हैं, इसलिए कहा जाता है, जहां गाय का वास होता है वहां मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार गौ माता के पैरों में समस्त तीर्थ स्थल का वास माना गया है, जो व्यक्ति गाय के पैरों में लगी मिट्टी का नित्य तिलक लगाता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और विशेष फल की प्राप्ति होती है। वहीं महाभारत काल के अनुसार जो व्यक्ति सुबह जागने के बाद सबसे पहले गौ माता के दर्शन करता है, उसे कभी अकाल मृत्यु नहीं हो सकती, जो भी मनुष्य प्रतिदिन गाय की सेवा करता है और गाय को चारा देने के बाद रोटी खिलाता है, उसके कार्य में आने वाली सभी विघ्न बाधाएं अपने आप समाप्त हो जाती हैं।

वैज्ञानिक दृष्टि के अनुसार गाय का गोबर परमाणु विकिरण को कम कर सकता है। गाय के गोबर में अल्फा, बीटा और गामा किरणों को अवशोषित करने की क्षमता है। गाय की बनावट और गाय में पाए जाने वाले तत्वों के प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा निकलती है। जिससे आसपास का वातावरण शुद्ध होता है और मानसिक शांति मिलती है।

श्रीराम रोटी केन्द्र के शुभारम्भ समारोह में विशेष अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्तीसगढ़ प्रान्त के प्रान्त संघचालक डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना जी, मुख्य अतिथि रायपुर लोकसभा सांसद श्री सुनील सोनी जी, विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी गण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सद्‌गुरु के 'मिट्‌टी बचाओ' अभियान को 54 देशों का समर्थन, धरती बचाने का संकल्प

लंदन। कॉमनवेल्थ देशों के महासचिव के कार्यालय का कहना है कि मिट्‌टी को पुनर्जीवित करने और पर्यावरण को बचाने के लिए ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्‌गुरु जग्गी वासुदेव जी का 'मिट्‌टी बचाओ' अभियान धरती का भविष्य सुनिश्चित करेगा। इसका लक्ष्य कॉमनवेल्थ के प्रस्तावित लिंविंग लैंड्स चार्टर से तालमेल खाता है। 54 देशों वाला कॉमनवेल्थ देश समूह हमारे सीमित प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन करने में बहुपक्षीय सहयोग, टिकाऊ प्रतिबद्धता और सामूहिक कार्यवाही के महत्व को स्वीकार करता है। कॉमनवेल्थ सचिवालय मानता है कि जमीन और मिट्‌टी, जलवायु परिवर्तन, भूमि-क्षरण और जैवविविधता से खतरे में है। 'कॉमनवेल्थ के 'कॉल टू एक्शन ऑन लिविंग लैंड्स' का उद्‌देश्य प्रकृति के साथ तालमेल में रहने की साझा दृष्टि तलाशने में तीन रियो कन्वेंशनों के अंतर्गत सम्मत लक्ष्यों का क्रियान्वयन करना है।' मिट्‌टी को विलुप्त होने से बचाने के लिए सद्‌गुरु के वैश्विक प्रयासों को विभिन्न क्षेत्रों से लगातार समर्थन मिल रहा है।

दामोदर गणेश बापट जी की स्मृति में 'अन्नपूर्णा भवन' का लोकार्पण

कात्रेनगर चाम्पा। डॉ. दामोदर गणेश बापट जी के जन्मदिवस 29 अप्रैल 2022 को भारतीय कुष्ठ निवारक संघ, सोंठी आश्रम, चाम्पा में उनकी पुण्यस्मृति में 'अन्नपूर्णा भवन' का लोकार्पण हुआ।

आश्रम स्थित श्री सिद्धिविनायक मन्दिर में वैदिक मंत्रोच्चार से यज्ञ हवन पूजन हुआ, जिसमें 11 यजमान थे। अन्नपूर्णा भवन लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक श्री नारायण चंदेल जी थे। विशिष्ट अतिथि श्री सुनील किरवई जी थे जो संघ के प्रचारक है। जिन्होंने पद्‌मश्री बापट जी के जीवन पर 'सेवाव्रती कर्मयोगी - पद्‌मश्री डॉक्टर दामोदर गणेश बापट' पुस्तक लिखी। वर्तमान में पूर्वांचल में भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री है। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री पुनिराम सूर्यवंशी जी ने की, जो पूर्व में यहां सरपंच थे। जिन्हें श्रद्धेय कात्रेजी व बापटजी दोनों के साथ काम करने का अवसर मिला। संस्था के अध्यक्ष प्रदीप कुमार स्वर्णकार जी मंचासीन थे।

भारतीय कुष्ठ निवारक संघ के सचिव श्री सुधीर देव जी ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए बापटजी के असाधारण और सबके लिए सहज उपलब्ध रहने वाले विलक्षण व्यक्तित्व के कई किस्से सुनाए। सुनील किरवई जी ने बापटजी के लोककल्याणकारी जीवन को रेखांकित करते हुए अपने संबोधन में कहा कि, बापटजी महान तपस्वी, मौन साधक व सेवाव्रती कर्मयोगी थे, जिन्होंने कुष्ठ रोगियों की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया। इस अवसर पर अरुण खानखोजे, बिलासपुर ने अपने माता-पिता की पुण्यस्मृति में 1 लाख रुपये, श्री विलास देशमुख ने अपनी माता की पुण्यस्मृति में 25 हजार रुपये संस्था को दान दिए तथा विधायक श्री नारायण चंदेल जी ने 51 हजार रुपये देने की घोषणा की।

राजगढ़ मंदिर तोड़ने का मामला - हिन्दू समाज की आक्रोश रैली

राजस्थान। जिले के राजगढ़ में मंदिर, मकान, दुकानें तोड़ने और कठूमर में गौशाला के विध्वंस को लेकर विरोध मुखर होता जा रहा है। हिन्दू समाज की ओर से सरकार के विरुद्ध जन आक्रोश रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में साधु- संत शामिल हुए।

रैली कंपनी बाग स्थित शहीद स्मारक से शुरू हुई जो शहर के मुख्य बाजार व विभिन्न मार्गों से होती हुई कलेक्ट्रेट पहुंची। रैली से पहले शहीद स्मारक पर सर्व समाज व साधु-संतों की बैठक हुई। उसके बाद सैकड़ों की संख्या में लोग रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे। हिन्दुओं पर अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्थान, स्लोगन लिखी तख्तियां लोगों के हाथों में दिखी। रैली को देखते हुए कलेक्ट्रेट गेट पर पुलिस द्वारा बेरिकेटिंग की गई थी। साथ ही भारी पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेडिंग लगा कलेक्ट्रेट में प्रवेश से रोका।

ज्ञापन में मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग

ज्ञापन में कहा गया कि प्राचीन शिव मंदिरों को तोड़े जाने से हिन्दू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। आमजन के घरों और दुकानों को तोड़े जाने से लोग सड़कों पर खुले आसमान के नीचे जीवन गुजारने को विवश हो गए हैं। प्रकरण में सीधे-सीधे दोषी नगर पालिका राजगढ़ के अधिशासी अधिकारी और राजगढ़ एसडीएम के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करवाकर कठोर कार्रवाई की जाए।

ज्ञापन में गौशाला को ध्वस्त करने की कार्रवाई पर भी रोष व्यक्त करते हुए कहा गया कि श्री हनुमान गोशाला समिति में मैथना, कठूमर में अनेक वर्षों से संचालित है। करीब 500 गोवंश उसमें था। प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर गौशाला के निर्माण को तहस-नहस कर दिया। गोवंश ने इधर उधर भाग कर अपने प्राण बचाए। गायें चारे- पानी के अभाव में भूख-प्यास से तड़प रही हैं। जंगल में भटक रही गौमाता की गोकशी की आशंकाएं बढ़ गई हैं। इन दोनों ही मामलों में जिले के अधिकारी मूकदर्शक बने रहे तथा समय पर कोई भी संज्ञान नहीं लिया गया। प्रशासन का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार भी निंदनीय है। इसलिए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

अलवर के सांसद बाबा बालक नाथ ने कहा कि ज्ञापन के माध्यम से तुरन्त मंदिर पुनर्निर्माण की मांग, साथ कठूमर के मैथन में तोड़ी गई गौशाला पुनर्निर्माण और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है। राजस्थान सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। इसके विरोध में सर्व समाज सड़क पर उतरा है।

यह है आक्रोश का कारण

वस्तुत: जिले के राजगढ़ नगर पालिका ने 17 अप्रैल को अतिक्रमण हटाने के नाम पर 300 साल पुराने मंदिर, धर्मशाला और लोगों के मकान, दुकान तोड़े थे। इसके बाद से घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद से जिले प्रदेश ही नहीं, अपितु देश में घटना से नाराजगी है। गहलोत सरकार पर तुष्टिकरण के आरोप लग रहे है। यह मामला हाईकोर्ट में भी पहुंच गया है। वकील प्रकाश ठाकुरिया ने हाईकोर्ट में दायर याचिका में अशोक गहलोत, विधायक जौहरी लाल मीणा सहित अन्य को पक्षकार बनाया है। कार्रवाई का कारण राजनीतिक द्वेष बताया गया है। इसके लिए न्यायिक जांच की मांग की गई है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी आसन

मानसिक स्वास्थ्य के लिए यौगिक क्रियाएं जैसे पद्मासन, वज्रासन, शीर्षासन, सर्वांगासन, हलासन, भुजंगासन, जानुशिरासन, त्रिकोणासन तथा उष्ट्रासन आदि उपयोगी हैं।

हलासन - जमीन पर पीठ के बल लेट जाइए। दो गहरे सांस लें व छोड़ें। इसके बाद दोनों पैरों को जमीन से ऊपर उठाते हुए धीरे-धीरे सिर के पीछे जमीन पर ले जाएं। कमर को जमीन से ऊपर उठाने के लिए हाथ का सहारा ले सकते हैं। हाथों को पीठ के पीछे जमीन पर सामान्य अवस्था में रखें। इस स्थिति में आरामदायक अवधि तक रुक कर पूर्व स्थिति में आ जाएं। सामान्य गति से श्वास लें व छोड़ें।

सीमाएं : उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा स्लिप डिस्क एवं स्पॉन्डिलाइटिस के रोगी अभ्यास न करें।

उज्जायी प्राणायाम : पद्मासन, सुखासन या कुर्सी पर रीढ़, गले व सिर को सीधा करके बैठिए। दोनों हाथों को घुटनों पर सहजता से रखें। जिह्वा को अग्रभाग से मोड़कर ऊपरी तालू से सटाएं। गले की श्वास नली को थोड़ा संकुचित कर नासिका द्वारा एक गहरी, लंबी व धीमी श्वास अंदर लें। श्वास लेते समय गले से सीऽ सीऽ सी की आवाज निकलती है, जबकि नाक से सांस छोड़ते समय हऽ हऽ हऽ हऽ ह की आवाज निकलती है। यह उज्जायी प्राणायाम की एक आवृत्ति है। शुरू में 15 से 20 आवृत्तियों का अभ्यास करें। धीरे-धीरे आवृत्तियों को बढ़ा कर 120 तक करें।

ध्यान : पद्मासन, सिद्धासन, सुखासन या कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा कर बैठ जाइये। हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा में रखें। अब दस गहरी श्वास लें और छोड़ें। 10-15 मिनट तक इसका नियमित अभ्यास करें। अभ्यास के दौरान मन को बार-बार विचारों से हटा कर सांसों पर केन्द्रित करें। कुछ समय बाद मन एकाग्र होने लगता है व तनाव-अवसाद से मुक्ति मिलने लगती है।

इस माह में किए जाने वाले कृषि कार्य

दलहनी फसल : ● इस समय मूंग, उड़द, लोबिया की फसल में 12 से 15 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें। मूंग में पत्तियों के धब्बा रोग की रोकथाम के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 0.3 प्रतिशत का घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें। ● दलहनी फसल में धब्बा रोग के लिए कार्बेन्डाजिम 500 ग्राम हैक्टेयर के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें। ● पीला मौजैक रोग की रोकथाम के लिए एक लीटर मेटासिस्टाक्स दवा को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

गेहूँ : ● गेहूँ में बढ़ाई का कार्य शीघ्र पूरा कर ले। ● अनाज के भण्डारण से पहले गेहूँ को धूप में इतना सुखाएँ कि उसमें नमी 10-12 प्रतिशत से अधिक ना हो। ● गेहूँ भण्डारण से पहले भण्डारगृह को 0.3 प्रतिशत मैलाथियान के घोल से विसंक्रमित कर लें। ● अनाज के बोरों को अनाज भरने से पहले भूसे व नीम की सूखी पत्तियाँ बिछा लें। बोरो को दीवार से 50 से.मी. दूर रखे। ● अनाज को 1000 : 1 के अनुपात में नीम के बीज के पाऊडर के साथ रखें।

सब्जियाँ : ● कद्दू वर्ग की सब्जियों में सिंचाई करें। ● कद्दू वर्ग की सब्जियों में फल मक्खी के नियंत्रण के लिए प्वाईजन वेट्स का प्रयोग करें। ● प्वाईजन वेट्स एक लीटर पानी में 1.5 मि.ली. मिथाइल यूनीनॉल, 2 मि.ली. लीटर डाईक्लोरोवॉस मिलाएं तथा चौड़े मूंह के जार में 4-5 जगह पर रख दें। ● फरवरी व मार्च में रोपे गये टमाटर, बैंगन, मिर्च में 50-50-40 कि.ग्रा. एनपीके की एक तिहाई मात्रा की दूसरी व 45 दिन बाद तीसरी ड्रेसिंग करें।

शांत रहने का रहस्य ऐसे समझा

संत तुकाराम

गृहस्थ के रूप में घर-परिवार की जिम्मेदारियों और जीवन के उतार-चढ़ावों के बीच भी संत तुकाराम पूर्ण स्थितप्रज्ञ थे। उनके शिष्यों में एक शिष्य जरा गुस्सैल स्वभाव का था। वह जब कभी गांवों में जाता लोगों तक गुरु की शिक्षा फैलाता। लेकिन, वह लोगों की गलतियों और दोषों पर क्रोधित हो जाता था। एक बार उसने पूछ ही लिया, 'गुरुदेव, विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी आप इस तरह शांत और संयमित कैसे रह लेते हैं! कृपा कर हमें भी इसका रहस्य बताएं'। तुकारामजी ने दु:ख भरे स्वर में कहा, 'इसका उत्तर तुम्हें मिल जाएगा बेटा, किंतु इस समय मैं जो देख पा रहा हूं वह जानना तुम्हारे लिए अधिक आवश्यक है। आज से सातवीं रात्रि तुम्हारी मृत्यु निश्चित है'। सो, निराश मन से शिष्य ने गुरु से विदा ली और जीवन के अंतिम पल परिवार के साथ बिताने की बात सोचकर घर की ओर रवाना हुआ। सातवें दिन वह तुकाराम से मिलने गया तो गुरु ने उसके सिर पर प्यार से हाथ फेरा और उसे कंधों से पकड़कर उठाते हुए बोले, 'बेटा शतायु होओ। मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है।

गुरु के मुंह से दीर्घजीवी होने का आशीर्वाद सुनकर वह असमंजस में पड़ गया। तुकाराम मुस्कुराए और बोले, मानव जीवन बहुत छोटा और अनिश्चित भी। यह बात हमारे मन को सदैव स्मरण रहे तो हम क्रोध व खिन्नता जैसी नकारात्मक और व्यर्थ की बातों में एक पल भी न गंवाएं!

परिजनों का आशीष व मंगलकामनाएं आशीर्वाद बनकर उतरते हैं

पं. विजयशंकर मेहता

घर-परिवार में झगड़े होना स्वाभाविक है किन्तु झगड़े में अपना हित अधिक हो और किसी भी तरह सामने वाले का अहित हो जाए, जब यह भाव उतर आता है तो फिर षड्यंत्र की शुरुआत होती है। जिन घरों में रिश्तों में षड्यंत्र उतर आता है, वे कलह के केंद्र और उपद्रव के अड्डे बन जाते हैं। हमारे यहां एक बड़ा दिव्य संस्कार है विवाह, आधुनिक लोगों ने अपने ऊटपटांग विचारों से शादी जैसी रस्म की जो दुर्गति की है, उसके परिणाम अब सामने आने लगे हैं। एक नया ट्रेंड चला 'लिव इन रिलेशनशिप' का। ऐसे लोगों ने शादी में परतंत्रचित्त देखा, विवाह को बंधन मान लिया और उतर गए लिव इन रिलेशनशिप में। अब यह स्वतंत्रचित्त नहीं, स्वच्छंदचित्त हो गया। फिर दोनों में झगड़े शुरू। शादी जैसी संस्था का अपमान करने का ही परिणाम है कि महिलाएं अपने प्रति दुष्कर्म की जो शिकायतें दर्ज करवाती हैं, उनमें से लगभग 80 प्रतिशत (जैसा कि आंकड़े बताते हैं) मामले लिव इन रिलेशनशिप वाले निकलते हैं। स्वच्छंद व्यक्ति उद्दंड होगा और उद्दंड अपराध जरूर करेगा। अब ऐसे बर्बाद लोग दुआ ढूंढ रहे हैं जो मुराद पूरी कर सके। विवाह के समय जो मंत्रोच्चार किया जाता है, परिवार के लोग जो शुभकामनाएं और आशीर्वाद देते हैं, ये सब इसकी ताकत है। इसे हुल्लड़ में न बदला जाए। इसका कोई विकल्प नहीं है। शादी परमात्मा का प्रसाद है, लिव इन रिलेशनशिप भोग के अवसर।

अंक में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है। संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं। न्यायालय क्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

पुस्तक विमोचन

रा. स्व. संघ के सरकार्यवाह
मा. दत्तात्रेय होसबाले जी के द्वारा

श्री सुधीर जी देव
पुस्तक विमोचन की भूमिका रखते हुए

सेवाव्रती कर्मयोगी
पद्मश्री डॉक्टर दामोदर गणेश बापट

– पुस्तक विमोचन –

रायपुर, छत्तीसगढ़
सोमवार 25.04.2022

– मंचासीन अतिथि –

- मा. दत्तात्रेय होसबाले जी, सरकार्यवाह
- डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना, प्रान्त संघचालक
- श्री हेमन्त मुक्तिबोध, सह क्षेत्र कार्यवाह
- श्री चन्द्रशेखर देवांगन, प्रान्त कार्यवाह

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

इस पुस्तक की प्रस्तावना रा. स्व. संघ के पू. सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने लिखी है।
पुस्तक के लेखक – रा. स्व. संघ के प्रचारक श्री सुनील किरवई जी

पुस्तक पृष्ठ संख्या – 160+4 कवर पेज, मूल्य – 150 रुपये

आर.एन.आई. पंजी. क्र.- ६६६३५/९५ डाक पंजीयन संख्या-छ.ग./रायपुर संभाग ०६/२०२१-२३

इस माह की स्मरणीय विभूतियाँ

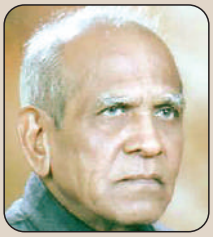

विष्णुकुमार
जयंती ०५ मई

आद्य शंकराचार्य जयंती
वैशाख कृ.०५, ०६ मई

सूरदास जयंती
वैशाख कृ.०५, ०६ मई

रविन्द्रनाथ टैगोर
जयंती ०७ मई

गोपाल कृष्ण गोखले
जयंती ०९ मई

अहिल्याबाई होल्कर जयंती
ज्येष्ठ कृ.०७, २२ मई

राजा राममोहन राय
जयंती २२ मई

हो. वे. शेषाद्री
जयंती २६ मई

पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी
जयंती २७ मई

स्वातंत्र्यवीर सावरकर
जयंती २८ मई

प्रेषक,
शाश्वत राष्ट्रबोध
गद्रे स्मृति भवन, जवाहर नगर,
रायपुर छ.ग. पिन- ४९२००१
फोन नं. - ०७७१-४०७२०७०

शाश्वत राष्ट्रबोध - मासिक पत्रिका
माह - मई २०२२

प्रति,

.....
.....
.....

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक नरेन्द्र जैन, गद्रे स्मृति भवन, जवाहर नगर, रायपुर (छ.ग.) 492001 द्वारा
गुप्ता ऑफसेट समता कालोनी, रायपुर से छपवाकर गद्रे स्मृति भवन, जवाहर नगर, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - नरेन्द्र जैन, E-mail : rashtrabodh.sangh@gmail.com

डाक टिकट